Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 28-11-2006

Participants : Chauhan Shri Nihal Chand

an>

Title: Need to increase the rate of cotton.

श्री निहाल चन्द (श्रीगंगानगर) : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, भारतर्वा एक कृषि प्रधान देश है। देश के 80 प्रतिशत किसान गांवों में रहते हैं। राजस्थान तथा देश में जितनी भी कपास की फसल हो रही है, उसका मूल्य 1800 रुपये प्रति क्विंटल है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: आपके साथी बोल रहे हैं।

...(व्यवधान)

श्री निहाल चन्द :उपाध्यक्ष महोदय, 1990 में काटन का भाव ढाई हजार रुपये था। लेकिन 1990 से लेकर आज तक इसका भाव 1800 रुपये से लेकर 2000 रुपये तक है। किसान की फसल आज सस्ते दामों में बेची जा रही है जबकि डीजल महंगा हो गया है। किसान की कोई भी फसल आज सस्ते भाव पर बेची जा रही है। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि काटन के भाव में वृद्धि की जाये और किसान जो फसल 1800 से 2000 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बेच रहा है, वह 5000 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से बिके। इसके अलावा मैं अपने पूर्व सदस्यों के साथ अपनी बात को जोड़ते हुए कहना चाहता हूं कि राजस्थान में खाद की किल्लत आ रही है। श्रीगंगानगर और कोटा में इसकी वजह से दंगे-फसाद, भूख हड़ताल और हड़तालें हो रही हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करूंगा कि सरकार इसका निदान जल्द से जल्द करे और किसानों को डीएपी एवं अन्य खाद उपलब्ध करायी जाये।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Before I take up the Matters under Rule 377, there is a Paper to be laid on the Table. Shri Pawan Kumar Bansal.